

Works Programme. The allocations to the various States are, however, made annually and the proposed allotment for the year 1956-57 to the States is indicated in the statement attached.

[See Appendix VI, annexure No. 64].

FURNISHINGS FOR INDIAN MISSIONS

737. **Shri Krishnacharya Joshi:** Will the **Prime Minister** be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 1165 on the 23rd December, 1955 and state at what stage are the recommendations of the Advisory Committee under the Chairmanship of the Minister of Health to advise on the supply of furnishings etc. for Indian Missions abroad?

The Prime Minister and Minister of External Affairs (Shri Jawaharlal Nehru): The requirements of Indian Missions in respect of cutlery, crockery and glassware have been standardised. Other recommendations of the Advisory Committee are still under consideration.

तिब्बत में रुके हुए भारतीय व्यापारी

७३८. **श्री भक्त बर्षान :** क्या प्रधान मंत्री २३ दिसम्बर, १९५५ को पूछे गए अतारांकित प्रश्न संख्या ९९७ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या तिब्बत में भारतीय व्यापारियों के बर्फ के कारण रुक जाने के बारे में पूरी जानकारी एकत्र कर ली गई है ; और

(ख) यदि हां, तो क्या उसको सभा की टेबल पर रखा जायेगा ?

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू): (क) तथा (ख). मांगी गई सचना का एक ब्योरा साथ लगा है [देखिये परिशिष्ट ६, अनुबन्ध सं० ६५]

DEVELOPMENT OF COTTAGE INDUSTRIES

739. **Shri Ibrahim:** Will the Minister of Production be pleased to state the names of States which were granted the maximum and minimum amount of subsidy respectively for the development of cottage industries during 1955-56?

The Minister of Production (Shri K. C. Reddy): The maximum assistance was given to the Madras State and the minimum to the Tripura State.

बीड़ी उद्योग

७४०. **श्री के० सी० सोधिया :** क्या वणिज्य और उद्योग मंत्री निम्न आशय का एक विवरण लोक-सभा की टेबल पर रखने की कृपा करेंगे :

(क) वर्ष १९५३-५४, १९५४-५५ और १९५५-५६ में बीड़ी उद्योग में तम्बाकू की कुल कितनी मात्रा का उपयोग किया गया और देश में तम्बाकू की कुल उपज में इसकी क्या प्रतिशतता थी ; और

(ख) इस उद्योग में कुल कितनी पूंजी लगी है, और उक्त वर्षों में पैदा किये गये माल का कुल अनमानित मूल्य कितना है ?

वणिज्य और उद्योग तथा लोहा और इस्पात मंत्री (श्री टी० टी० कृष्णामाचारी) : (क) १९५३-५४ लगभग ११.६४ करोड़ पौंड—२० प्रतिशत के आसपास ; १९५४-५५ १२.२० करोड़ पौंड—२२ प्रतिशत के आसपास ; १९५५-५६ के आंकड़े अभी उपलब्ध नहीं हैं।

(ख) बीड़ी उद्योग में लगी पूंजी के सम्बन्ध में जानकारी उपलब्ध नहीं है। देश में बनी हुई बीड़ी का मूल्य लगभग ६५ करोड़ रुपये वार्षिक है।

MYSORE IRON AND STEEL WORKS

741. **Shri Madiah Gowda:** Will the Minister of Iron and Steel be pleased to refer to the reply given to starred question No. 32 on the 21st November, 1955 and state:

(a) when the expansion scheme of the Mysore Iron and Steel Works will be completed; and

(b) the number of extra personnel required for the expansion programme?

The Minister of Commerce and Industry and Iron and Steel (Shri T. T. Krishnamachari): (a) and (b): The details of the scheme have not been finalised.